

## जा टूट भरम के ताले

जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ज्ञान की ।  
जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ज्ञान की ॥

सच्चे मन से ध्यान धरे तू कोन बतावे घाट तने ।  
कर बुद्धि की सुधि मिलजा ईश्वर यो कदे घाट तने ।  
तू सूरत भजन में लाले फिर मेर करे भगवान की ।  
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

जिव सताना झुलम कमान के मिलजा इंसान तने ।  
दिन रात कमाया हाथ न आया भजा नहीं भगवान् तने ।  
यमदूत आवे विकराले तने चिंता हो जा ज्ञान की ।  
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

फिर पाछे पछतावे गा मैंने क्यू ना अच्छा करम करा ।  
सुते बैठे हो जब चिड़िया चुगले खेत तेरा ।  
यमदूत आवे विकराले तने हो जा चिता ज्ञान की ।  
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

गुरु तार दे पार बन्दे चरणा के मा लागे न ।  
फेर दुबारा टाइम मिल ना वक्त परा हैं जागे न ।  
कृष्ण लाल गिरावड़ आले कर सेवा चंदरभान की ।  
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

“ जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ”

स्वर -“ भगत रामनिवास ”

लेखक - “राम किशन वशिष्ठ ”

पोस्ट करने वाले --- “भगत अनिल भारद्वाज”

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2214/title/ja-tut-bharm-ke-tale-tu-punji-la-guru-gyan-ki>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |